

000000 000000

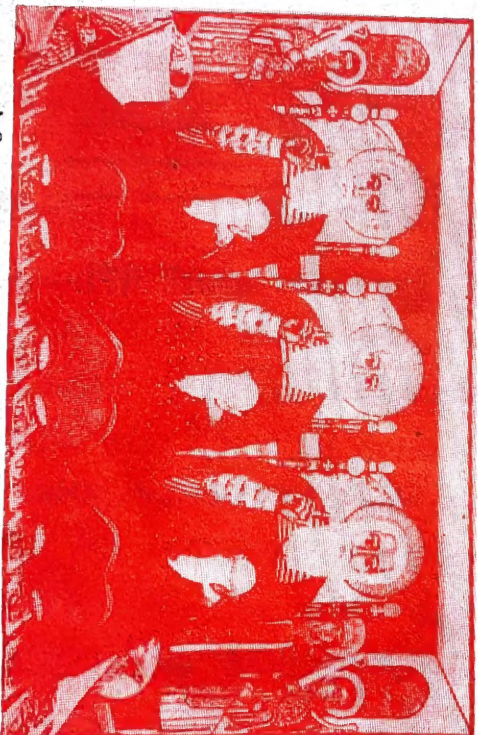
[illegible]

የግል ስም ስለሚገኝ ስለሆነ ማረጋገጫ ማቅረብ አለበት፡፡

10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 8

ՄԱՅՈՒՄ ԵՈՒՈՒՄ





አብ ወመልድ ወመንፈስ ቅዱስ ጆዱ አምላክ ዘዕሩ  
ህላዊሆሙ ላዕሊ ኪሩቤል ዘሠረ ለንዝ በኩሉ ወ  
ወብተ ኩሉ ህልው ምስሉ ኩሉ፡፡



# መልክዐ መለኮት

ኪነ ጥበብና ሥነ ጥበብ ዐራተኛ

መ. ይትባረክ ገሠሠ መራ

ሞባይል .....0913547463  
የቤት: .....0116609621  
ፖ. ሣ. ቀ. ....24258/1000 አ. አ.  
ኢ.ሜይል [barekges@yahoo.com](mailto:barekges@yahoo.com)

፳፻ወ፩ ዓ. ም.

**የመልክዐ መለኮት መግቢያ**  
የእግዚአብሔር ሕግ የነበረ ያለና የሚኖር ነው። ፀሐይ በሰዓቱ ያበራል። ጨለማም በሰዓቱ ይጨልማል። ይህ ቋሚ ሥርዓት ነው። ፀሐይ ያለ ዕረፍት እንደ ሚያበራ ሁሉ መላእክትም ረቂቃን እንደ መሆናቸው መጠን ያለ ዕረፍት ስግደትንና አምልኮትን ለመለኮታዊ ኃይል ያቀርባሉ። የዮሐንስ ራዕይ ፭- ፲፩። ፲፩-፲፮። ዳንኤል ፯- ፲፬ ሰው ግዘፈ ሥጋ ስለአለው በተሰመደው የትምህርት ሥርዓት፡ የባሕርይ ስግደት ለእግዚአብሔር፡ የጸጋ ስግደት ለፍጡር ይቀርባል። አምልኮት ውስጣዊ ግብር ስለሆነ በሰዎች ዘንድ አጉልቶ ለማሳየት ይከብዳል። በእግዚአብሔር ዘንድ ግን ለማይገባው የተሰጠ ስግደትና አም

ልኩት ዕዳው በጣም ከባድ ነው። ዘፀዕት  
 ፴፪፡፳፥28። ጸሐፊ፡ ሠዐሊ፡ ሞዛቂ፡  
 በአጠቃላይ የኪነ ትበብ ሰዎች በሠ-  
 ሩት ሥራ ይደነቃሉ ይመሰገናሉ። ከ  
 ነሱ የሚፈልቀው ኪነ ጥበብ ለጦታ  
 ነውና። እነዚህን የፈጠረ **እግዚአብሔር**  
**ሐር** ደግሞ በበለጠ በፈጠረው ፍ-  
 ጡር ሁሉ ይመሰገናል ይመለከታል።  
 ይህ መልክዐ መለኮት በየአንዳንድዋ  
 መልክዐ የመለኮታዊ ሥልጣን አንድ  
 ነትንና ሦስትነትን ያገናዘበ ይሆን ዘ  
 ንድ ጥረት እንደ ተደረገበት ያመለክታል።  
 በማንኛውም ጊዜ በማንኛውም  
 ሰዓት በማንኛውም ቦታ የ**እግዚአብሔር**  
 ስም የሚጠራ ሰው በምድ

ርም በሰማይም ከግብረ አጋንንት  
 ይድናል ይጠበቃል። ጸሎት ማለት  
 ለሕይወታችን አጥር መዝጊያ ማለት  
 ነው። ወሳኙም የራስ ውስጣዊ እ  
 ምነትና የልብ ውሳኔ መሆኑን መረዳ  
 ት ይገባል። በተረፈ የ**አብ የወልድ** የ  
**መንፈስ ቅዱስ** ስም ያለበት ጸሎት  
 ሁሉ ይሠምራል ይጠበቃል። ዘጸው  
 ዐ ስመ **እግዚአብሔር** ይድኅን እምኩ-  
 ሉ ንጢአቱ ነውና። መልክዑ ሰባት  
 ቤት ነው። የሆነበትም ዐራቱን ባሕርያት  
 ሥጋና ሦስቱን ባሕርያት ነፍስን ለማመሥጠርና ለማገናዘብ በጥልቅ  
 ምሥጢር ታስቦበታል።



## መልክዐ መለኮት

አብ መልክዐ መለኮት። ስምዐኒ እ  
ግዚኣ ጸሎትየ ሃሌ ሉያ። ወወልድ  
መልክዐ መለኮት ንጉሠ ሰላም ወጽ  
ድቅ ዘረፈቀ ውስተ ሕፅነ እምክ  
ድንግል ማርያም ጸግወኒ ሰላመክ  
ወጽድቀክ። ወይብጸሕ ቅደሚክ ገዐ  
ርየ። ወመንፈስ ቅዱስ ጳራቅሊጦስ  
መልክዐ መለኮት ወሀቤ ሕይወት  
ወመሠረተ ጥበባት ጸግወኒ ጥበበ  
ክ። ወኢትሚጥ ገጸክ እምነየ።  
አብ መልክዐ መለኮት በዕለተ ምን  
ዳቤየ አጽምዕ ዕዝነክ ኀቤየ። ወወ  
ልድ መልክዐ መለኮት ዘታቀልል

አርዑተ ኃጢአት አቅልል ያረ ኃ  
ጢአትየ። አመ ዕለተ እጼውዐክ  
ፍጡነ ስምዐኒ። መንፈስ ቅዱስ  
መልክዐ መለኮት ዘበረቀ በደብረ  
ታቦር ቅድስት ከማሁ አብርቅ ብር  
ሃነ ጸጋክ ላዕሌየ። አብ ወወልድ ወ  
መንፈስ ቅዱስ ፩ዱ አምላክ መል  
ክዐ መለኮት። ንወድሶ ለዘሀሎ እግ  
ዚአብሔር ልዑል። ስቡሕ ወውዱ  
ስ ዘሃረረ ኩሎ ዓለመ በአሐቲ ቃ  
ል።

ሰላም ለመለኮትክ ዘአስተዳለወ ስ  
መ፡፡ በእሳት ወማይ ድገረ ፈጠረ  
ዓለመ፡፡ እግዚአብሔር አብ ዘ  
ኢተአምር ድካመ፡፡ መድኃኔ ዓለ  
ም ወልድ በቅድመ ጲላጦስ ቆመ  
፡፡ ወበስቅለቱ ቅድስት ንጢአተ ዓ  
ለም ሐተመ፡፡ ንጢአትየ ሕትም  
ወአዕጽፈኒ ሰላመ፡፡ ወመንፈስ ቅዱ  
ስ እሳት አፍዕመኒ ፍሕመ፡፡

ሰላም ለመለኮትክ ዘስእርተ ርእስ  
አልቦቱ፡፡ እስመ ገባሬ ርእስ ዘሰብ  
እ ወዓለመ ኩሉ ውእቱ፡፡ እግዚአ  
ብሔር አሐዱ ወበአካላት ሠለስ

ቱ፡፡ ለእስራኤል ዘአግባእኮ ንብ ም  
ድረ ከነዓን ርስቱ፡፡ መድኃኔ ዓለም  
ወልድ ማሕየዌ ዓለም በሞቱ፡፡ ወ  
መንፈስ ቅዱስ ሐዋዒ ትጉህ ለለዕ  
ለቱ፡፡ ውሳጤ ልብየ ይብራህ ወፍ  
ጡነ ይኅቱ፡፡

ሰላም ለመለኮትክ ግዘፈ ቅርፀ ርእ  
ስ ዘኢገብረ፡፡ ዳዕሙ ብርሃነ በትዕዛ  
ዘ ቃሉ ሃረረ፡፡ እግዚአብሔር አብ  
ብርሃነ ሥላሴክ ንብረ፡፡ ወተክ  
ስቶትክ ጥቀ ጽልመተ ዓለም ሠወ  
ረ፡፡ መድኃኔ ዓለም ወልድ ዘከመ  
እቡሳን ተዐሥረ፡፡ ወፍጡነ ይምጸእ



መንፈስክ ንበ ዘሀሎነ ወትረ።  
ለፈውሶ ልበ ሰብእ ዘፃረ።

ሰላም ለመለኮትክ ጸጋዌ አእምሮ  
ቅዱስ። እግዚአብሔር አብ ወሕ  
ያው መንፈስ። ዘደመና ብርሃን ጸ  
ለልክ በደብረ ታቦር ሐኖስ። ንበ ነ  
ጽሮተ ሰእኑ ጴጥሮስ ወዮሐንስ።  
እንዘ ምስለ ወልድ ይነቡ ሙሴ ወ  
ኤልያስ። በመንፈስ ሥላሴ ይሰንቀ  
ዉ አውታረ ልብዩ ድቁስ። እሰመ እ  
ምኩሉ ይኒይስ ሥላሴ ውዱስ።

ሰላም ለመለኮትክ ዘኢያስተርአዩ ገ  
ጸ። ምስለ ፍቁሩ ምልክዐም አመ  
ተባዩጸ። እግዚአብሔር አብ ዘህላ  
ዌክ ደምፀ። ለፈውሶ ጸድቅ ትፈ  
ጥን ወዘተስፋሁ ኢቀብጸ። መድኅ  
ኔ ዓለም ወልድ ዘእመለኮት ኢሐ  
ፀ። ወመንፈስ ቅዱስ ሠራፂ በሥላ  
ሴሁ ሠረፀ። ብርሃን ሥላሴ ለያእ  
ምር ሕሊናዩ ሮፀ።

ሰላም ለመለኮትክ ምስለ ግዙፋን ቀ  
ራንብ። ዘኢያስተርአዩ ጸመ እንዘ  
ምስለ ኖኅ ይትናበብ። እምቅድመ  
ዓለማት ህልው እግዚአብሔር አብ።

ለዘንጸፊሁ ግሩም ኢነጸሩክ ኢሩብ::  
እንዘ **ክርስቶስ** ይሰቀል ውላጤያ  
ቲሃ ለኅርብ:: ፀሐይ ጸልመ ወተ  
አተተ ኮከብ:: ጸልመተ ሕሊናየ ያ  
እትት በ**መንፈስ** ዕፁብ::

**ሰላም ለመለኮትክ** ዘኩለንታሁ አዕ  
ይንት:: **እግዚአብሔር** በረድ ወእ  
ግዚአብሔር እሳት:: ዘኢርእዩክ ት  
ፊኢ እምስፍሐ ኩሎን ዓለማት::  
ወኃይለ አጋንንት ታውሂ ወታስ  
ተማውቅ በግብት:: **መድኃኔ ዓለም**  
ወልድ ቀታሌ ፅኑዕ ሞት:: **ወመንፈስ**

**ቅዱስ ብርሃን** ሐዋጼ ልቡና ድክም  
ት:: ልቡናየ ሐውጽ በኩሉ ሰዓት ::

**ሰላም ለመለኮትክ** እንበለ አዕዛን ሰ  
ማሂ:: እስመ ኩለንታሁ አዕዛን ሰ  
ሰሚዐ ግፉዕ ወገፋሂ:: **እግዚአብ**  
**ሔር ኖላዊ** አባግሂክ ትፊኢ:: እንዘ  
ኪያክ ይተልዉ በአምስጦ ሰይጣን  
ጸላሂ:: **መድኃኔ ዓለም ወልድ** ለዕ  
ምዐ ኀጥአን ነቃሂ:: **ወመንፈስ ቅ**  
**ዱስ** ዘኃይለ አጋንንት መዋሂ:: እ  
ስመ **ሥላሴሁ** ውእቱ ኀዙነ መፅን  
ሂ::



ሰላም ለመለኮትክ ዐማዴ መላትሕ  
በግብት። ወከመ ጽጌ ያሄኒ ገጸ ሰ  
ብአ ምድር ዕምርት። **እግዚአብሔር**  
**ር** ሠራዲ ሕገ ዕለታት። ምስለ ብ  
ርሃናት ዐበይት ወለሐኳ ኩሉ ልሕ  
ኩት። **መድኅኔ ዓለም** ጥዕዩ እማዕከለ  
ክልኤ ፈያት። አመ ኮነ ግብተ በአ ይ  
ሁድ እግብላ ጊዜሁ ሌሊት። ወበ**መንፈ**  
**ስ ቅዱስ** ትጥዐይ ልብዩ ድክምት።

ሰላም ለመለኮትክ ዘአዕናፈ ልሕኩ  
ት አልቦቱ። ኩሉ ዓለመ አምጣነ  
ገባሪ ውእቱ። **እግዚአብሔር** ማኅ  
ቶት ዘበልበ ኩሉ ተኅቱ። ወሥላ

ሴከ ኢክህሉ መላእክቲክ ይሕትቱ  
። **ለመደኅኔ ዓለም** ወልድ እምነ **ድ**  
**ገገል** ትሰብእቱ። አናቅጸ ሲዖል ያር  
ጉ በገይለ መንፈስ ዝንቱ። አና ቅጸ  
ልብዩ ያርጉ ወውእቱ ይኅቱ።

ሰላም ለመለኮትክ ዘክናፍሪሁ ም  
ሥጢር። እንተ በመለኮት አሐዱ  
ወእንዘ ሠለስቱ በግብር። ምሉዐ ብ  
ርሃን አንተ **እግዚአብሔር**። ዘይርዕ  
ዱከ ወትረ መላእክተ ሰማይ ወም  
ድር። **መድኅኔ ዓለም ክርስቶስ** ዘአፍ  
ቅሮተ ሰብእ መምህር። ላዕሌዮ ይም  
ጸእ **መንፈስክ** ገባሪ ሰላም ወፍቅ

ር፡፡ እስመ ኮንኩ እነ ዘዚአክ ንብር፡፡

ሰላም ለመለኮትክ እንተ መላእክት  
አፋሁ፡፡ ወቃሉ ቃሎሙ በጊዜ ም  
ሕረቶ ይጸንሁ፡፡ እግዚአብሔር ጥ  
ቀ ዘአንቀጸ ልብ ታርጉ፡፡ ለእለ በ  
አሚን ንቤክ ነቢያተ እስራኤል ጸ  
ርሑ፡፡ ወመድንኔ ዓለም ቤዛነ ዘወ  
ሀበነ ሥጋሁ፡፡ መጽአ ለነ ለፈውሶ  
ለቀሳሰ ንጢአት ዕዪሁ፡፡ ወመንፈ  
ሰ ቅዱስ ፅኑዕ ንቡረ ምስሌሁ፡፡

ሰላም ለመለኮትክ አስናነ ፍጡራን  
ፀዕድወ፡፡ ኢያርአየ ሰብአ በጊዜ ብ

ርሃኖ ከዐወ፡፡ እግዚአብሔር ንብርክ  
ባሕረ ኤርትራ ዐደወ ፡፡ ወእምነ ር  
ጉም ፈርዖን ህዝበ ዚአክ ዪወወ፡፡  
በአምሳለ ዛ ክርስቶስ ሐዋርያቲሁ  
ፈነወ፡፡ ንበ ውስተ ኩሉ ዓለም ለ  
ይኩኑ ዪወ፡፡

ሰላም ለመለኮትክ ወሀቤ ርቱዕ ልሳ  
ን፡፡ ለነቢብ ረቂቀ ምሥጢረ ምልክ  
ና እሙን፡፡ እግዚአብሔር ሰላም  
ወእግዚአብሔር ብርሃን፡፡ ዘልሳነ ዓ  
ለም ከሠትክ በልሳነ ዕፁብ ግዕዛን  
፡፡ መድንኔ ዓለም ክርስቶስ ሰዳይ  
ጸልሙት ሰይጣን፡፡ ነዐ ነዐ በቅጽ



በት ንበ ሀሎኩ መካን። ለሐድሶት  
የ በመንፈስ ወኪን።

ሰላም ለመለኮትክ ፈጣሪ ዓለማት  
በቃሉ። ምስለ መላእክት አእላፍ እ  
ንዝ ብርሃኖ ያተሉ። እግዚአብሔር  
መሐሪ ቅዱሳኒክ ይብሉ። ንበ ፍ  
ሥሐ ምሉዕ ዘበማዕከላ ተተክሉ።  
ለመድኃኔ ዓለም ክርስቶስ ፈዋሴ  
ኅዙናን አባሉ። ፈውሰኒ ሊተ በመ  
ንፈስ ብርሃነ ጸጋክ እትሉ። አምጣ  
ነ መንፈስ ውክቱ መድኃኒት ለኩሉ።

ሰላም ለመለኮትክ እግዚአብሔር ቃ  
ል። አንተ ባሕር ወአንተ ነበልባል  
። መንበረ ሕሊናኝ አንተ ወድካመ  
ነ ጽላል። መድኃኔ ዓለም ተሰቅለ  
እንዝ ለሊሁ መስቀል። ለቤዛ ብዙ  
ኃን ዘወድቁ ውሰተ ዕመቃ ለሊዖ  
ል። ፈኑ ሊተ መንፈስክ ዘላዕለ ታ  
ቦር ጽዱል። በከመ እትቤዞ እምጽ  
ልመት ወሐጉል።

ሰላም ለመለኮትክ በትዕዛዝ ቃሉ ሣ  
ረሮ። ለግሩም ለማይ ወለንይለ ብ  
ርሃን ገብሮ። እግዚአብሔር አንተ  
ለዓለም ዘታፈቅሮ። ለስፍሐ ዓ

ለም ዕፁብ ዘቃለ ተሰብኦ ፈጠሮ።  
ለመድጎ ኔዓለም ጲላጦስ በተሐጽቦ  
እድ ሠዐሮ። ወረቂቅ ጥቀ ተሰብኦ  
ቱ አምጣነ ለሞት ዐሠሮ። ወበጋይለ  
መንፈስ ቤዛነ ለሲኦል በርበሮ።

ሰላም ለመለኮትክ ለዓለመ ዓለም  
እስትንፋስ። ለኩሉ ፍጥረት በዕ  
መቃተ ባሕር ወዮብስ። እግዚአብ  
ሔር እግዚእ እግዚአብሔር ንጉ  
ሥ። ዘበአፃብዕ ቅድመ አነምኮ ለአ  
ዕመ አዳም ልብስ። በምድረ ኤልዳ  
መስቀ ለባሴ ሥጋ ወማዕስ።  
መድጎኔ ዓለም ይኩን ለአድጎኖ

ወእምጎጢአት ለፈውስ። አምጣነ  
ብርሃን ውእቱ ምስለ ዝ መንፈስ።

ሰላም ለመለኮትክ ጉርዔ ፍጡራን  
ዘገብረ። ማየ ፍሥሐ ጽሩየ እንተ  
ውስቴታ ሠወረ። እግዚአብሔር  
አንተ እንተ ከሠትክ ምሥጢረ።  
ለአድጎ መሰግል በልአም ዘምስለ  
መልአክ ተናገረ። መድጎኔ ዓለም  
ወረደ በከመ ይቀድስ ምድረ። ህየ  
ንተ አቡሁ አዳም ዘበተስፋሁ ነበ  
ረ። መንፈስ ጸጋሁ ለይምጻእ ዘብ  
ርሃነ ያረ።



ሰላም ለመለኮትክ እንተ ኢየሱሥ  
ሥ ሕፅነ፡፡ አምጣነ ኩሉ ፍጥረት  
ኬንያ እዴሁሰ ኮነ፡፡ ወበሰላሙ ይ  
ኬልል ከመ ኢንርከብ ኀዘነ፡፡ **እግ**  
**ዚአብሔር** ጥበብ ብርሃነ ልቡና ሀ  
በነ፡፡ ከመ መጽአ ለነ መድገኔ ዓለ  
ም ቤዛነ፡፡ ወኮነን ፅንዐ መንፈስ ቅ  
ዱስ በጊዜ ምንዳቤ ፀወነ፡፡ ከመን  
ርከብ ወትረ ውኩዮ ብርሃነ፡፡

ሰላም ለመለኮትክ በቃለ መንፈስ ቅ  
ዱስ፡፡ ሐዋርያቲሁ ቀደሰ እንዘ ግ  
ቡዐን በናህስ፡፡ **እግዚአብሔር** አንተ  
ሠረገላሁ ለኤልያስ፡፡ ወክዋኔ

ሁ ለሄኖክ እንዘ ኀበ ርትቅ ይፈል  
ስ፡፡ ዘእንበለ ጥፂም ሞተ ሥርዐተ  
**ኢየሱስ ክርስቶስ**፡፡ በዐውደ አይሁ  
ድ ዘቆመ ከመወሬዛ እቡስ፡፡ ኀበ  
ዘእሄሉ ነፃ በብሩህ **መንፈስ**፡፡

ሰላም ለመለኮትክ ዘመዝራዕቱ ነ  
ዊኅ፡፡ ለዐቂበ ኩሉ ዓለም እምነ መስ  
ና ጽኑሕ፡፡ **እግዚአብሔር** በጻዕቅ ረዳ  
ዔ ኢየሱ ወኖኅ፡፡ ሠረገላሁ እምባሕ  
ር ወለዋስዊሁ እምአይኅ፡፡ **መድገኔ**  
**ዓለም** አብጠለ ዕዳ ገሐነም መፍርህ፡፡  
**መንፈስ ቅዱስ** ዕሩይ ምስለ ብርሃ  
ኑ ንህኑህ፡፡ ለፈውሶ ልበ ሰብእ የዋህ፡፡

ሰላም ለመለኮትክ ስፋሐ ኩርናዑ  
ወኃይሉ። በባሕር ወየብስ ወበሰ  
ማያት ይሄሉ። እግዚአብሔር ወ  
ልድ ወመንፈስ ቅዱስ ትቤሉ።

እግዚአብሔር አብ ንብ ህሉነ ይ  
ሄሉ። ለሐውጾ ኅሩይ ሰብእ ዘህ  
ላዊሁ ያስተደሉ። ፈኑ ፈኑ ብርሃ  
ነከ ዘምሉዐ መንፈስ ፀዳሉ። ከማ  
ሁ ምሕረተ ኩላሄ ለኩሉ።

ሰላም ለመለኮትክ ዐማዴ አበ ሰብእ  
በእዱ። አበ ብዙኃን አእላፍ ዘእም  
ኔሁ ተወልዱ። እግዚአብሔር ባረከ  
አብርሃምሃ እምጉንዱ። ለዳዊት ል

ብከ ህዝበ ዓለማት ይስግዱ። ወጥ  
በባቲሁ ለያብዝኅ ሥላሴክሙ ዐመ  
ዱ። ወበሥላሴ እሕድክ አጋንንተ  
ጽልመት ርዕዱ ። ወምስሌየ ህሉ  
ጽልመታተ እዕዱ።

ሰላም ለመለኮትክ ምልዐ ዓለማት  
አንዚ። በእደ ሥላሴ ሥሉስ ወጽ  
ልመተ ኅጉል ፈዋዚ። እግዚአብ  
ሔር ትፍሥሕት ንዘነ ንዘኖን ና  
ዛዚ። ወእርከ ግፉዐን ለፍትሕ ኃይ  
ለ ኅያላን ገናዚ። መድኃኔ ዓለም  
ወልድ አርዑተ ኃጢአት ገዐዚ። ወእ  
ሙ ድንግል ምስለ ወልድኪ አዝዚ።



ኃጢአትየ ይግዛ እምዘ ቦ ኮራዚ።

**ሰላም ለመለኮትክ** አፃብሂሁ ዘጸሐፋ።  
ዐሠርተ ቃላተ ቃላተ አሜጋ ወአልፋ።  
**እግዚአብሔር** አንተ ፍኖ ተ ብርሃኑ ለኬፋ። ለያሬድ ዘፈነው ኮ ለሕገ ማኅሌት ይልፍፋ።  
**መድኅኔ ዓለም** ወልድ ለፅዋዐ ሞቱ ተ ወክፋ።  
ወህየንተ አበው ኮነ በላዕለ መስቀል ተስፋ። ለኢትዮጵያ ምድርን ሥላሴ ይሕቅፋ።

**ሰላም ለመለኮትክ** ዘአጽፋረ እዱ ፍጥረት። ምስለ ከዋክብት ወሰብእ

ወምስለ መላእክት ቀደምት። **እግዚአብሔር** ዘዮም ወዘቀዳሚት ዕለት። ለአሮን ዘጎረይኮ ለሢመተ ልዑል ክህነት።  
**መድኅኔ ዓለም** መጽአ ለመዊዐ ፀርነ ሞት። ወመንፈስ ቅዱስ ሀለወ ምስለ ሕሊና ብርሀት። ለአንቅሆ ልብዩ ንውምት።

**ሰላም ለመለኮትክ** ነፋስኑ ገበሁ። ብርሃናትኑ ወሚመ ደመና ሰማይ ሥጋሁ።  
**እግዚአብሔር** አንተ ዘዓይነ ልቡና ታርጉ። በእሳታዊ ግብርክ መላእክተ ሰማይ ፈርሁ። በውስተ ዕመቃ ለሊዖ አፀውተ ሊዖል

ጸርሑ። ህየንተ ስቅለቱ ለወልድ እ  
ስከ ተባልሑ። ጽልመተ ሕሊናየ  
አርት በመንፈስ ከማሁ።

ሰላም ለመለኮትክ ዘኢይሴሳይ መን  
ፈስ። ዳእሙ ሐልዮተ ለአድኅኖተ  
ሰብእ የጎሠሥ። እግዚአብሔር ፀ  
ሐይ መሠረተ ሰይጣን ታፈልስ።  
በከመ አፍለስከ ጥቅመ ዘኢያሪኮ በ  
የብስ። መድኅኔ ዓለም ኮነ ስምዑሁ  
ለዜና ገብርኤል በከርስ። ያዕርፍ  
ግብተ በላዕሌየ ብርሃነ መንፈስ ቅ  
ዱስ። ለሐድሶ ልብዩ ዘሬስ።

ሰላም ለመለኮትክ ዘኩለንታሁ አል  
ባብ። በዝናማቲሁ ዓለመ እንበለ አ  
ጽርዖ ያጸግብ። እግዚአብሔር ወል  
ድ ወእግዚአብሔር አብ። ለፍቁር  
አልዓዛር ዘአንቃህኮ እንዘ በመቃብ  
ር ስኩብ። በብሂል ተንሥእ በቃለ  
መለኮት ጥበብ። እስመ መንፈስ ቅዱ  
ስ ቅሩበ በላዕሌሁ ርቡብ። ላዕሌየ ይቁ  
ም ዘከማሁ ምስለ ብርሃኑ ዕፁብ። በ  
መኑ ትድኅን ኢይቤሉ ህዝብ።

ሰላም ለመለኮትክ ዘይተነፍስ ሕሊ  
ና። ነፋስ ምሕረት ለህዝብ ወእንስ  
ሳ ገዳም ዘኮና። እግዚአብሔር አን



ተ ዘቤተ ያዕቆብ መና። ለአብዝኖ  
ዘርዑ በምድር አምጣነ ዜነውክ ዜ  
ና። ወወልደ እንተ ተወክፈ ቅስፈ  
ተ ቀያፋ ወሐና። እንዘ መንፈስ  
ቅዱስ ሕልው በላዕለ ብሩህ ደመና።  
ጥበበ ብርሃን ሀበነ ለኩሉ ልቡና።

ሰላም ለመለኮትክ እንተ አልቦቱ  
ሕንበርት። እንዘ ኩላሄ ይሴሰይ  
ብዝን መባልዕት ስብሐታት። እግ  
ዚአብሔር ሰብእ ወእግዚአብሔር  
እሳት። እንተ ለእስራኤል አውረ  
ድክ ኅብስተ መና ፍርፍርት። መ  
ድገኔ ዓለም ቆምከ በዐውደ ጊጉያን

ካህ ናት። እስከነ ትፌኑ ጳራቅሊጦስሃ  
በግብት። ብርሃነክ ፈኑ ኅበ ቦእኩ ቤት

ሰላም ለመለኮትክ እንተ ሐቋሁ ነ  
ዊኅ። እምነ ሰማይ ወምድር ወኅበ  
ኩሉ ይበጽሕ። እግዚአብሔር ሰላ  
ም ወእግዚአብሔር መፍርህ። ወ  
ሐዋጼ ትጉህ ጌዴዎን በዐፀባሁ በ  
አምሳለ መልአክ ጽኑሕ። ወህየንተ  
አበው እዙዝ መድገኔ ዓለም የዋ  
ህ። እስከ ይከውኑ ስምዐ ከዋክብ  
ተ ሰማይ ወወርኅ። ወስምዐ መን  
ፈስ ብሩህ ሀበኒ በበርህ።

ሰላም ለመለኮትክ ቊዮጸ ሥጋሁ  
ኪንኑ። አላ እሳተ ዘሐዋርያት ተ  
ፈትኑ። እግዚአብሔር አንተ ለዓለ  
መ ዓለም ብርሃኑ። ለአዳም ወልድ  
ከ ነዋ ዘምጽአተክ ትዜኑ። ህየንተ  
ቃልክ ይኩን መድኅኔ ዓለም ኩነ  
ኑ። ወዕንቡዛነ ልብ አይሁድ በም  
ሥጢረ ወልድ ዝኅኑ። ወመንፈስ ቅ  
ዱስ ዘዝኅነ ብርሃኖ ይፈኑ።

ሰላም ለመለኮትክ ዘእንበለ ግዙፍ  
አብራክ። ኀበ ውስተ ኩሉ ይረውፅ  
በክንፈ ዚአሁ መልአክ። እግዚአብ  
ሔር ታበርህ ልበ ድኩማን እምበክ

:: እስመ ማሕየዊነ አንተ ወአንተ  
አምላክ። ህየንተ መድኅን ተወል  
ደ በወርኅ ፅኑዕ ደደክ። ይእስየነ  
ለነ ለአንሕዮ በመንፈስ ጸጋ ቡሩክ  
። ሐውጸነ ለነ በጽባህ ወሰርክ።

ሰላም ለመለኮትክ ዘእእጋሪሁ ሕሊ  
ና። በአልባበ ኩሉ ይሄሉ ለአሰስሎ  
ሙስና። እግዚአብሔር ጥበብ ሠራዴ  
ብሩህ ደመና። አመ ውስተ ከርሣ ኀደ  
ርክ ለወለተ ርግብ ሐና ። መድኅኔ ዓ  
ለም ኮነ ለከርሠ ርሀባን መና። ከመ  
ንልበስ ንህነ እመንፈስ ቅዱስ ባዝግና  
። እስመ ለዕርቅት ነፍስ ሥላሴ ክዳና።



ሰላም ለመለኮትክ ምሥጢራተ ጥ  
በብ አእጋሪሁ። እስከነ ኩሉ ዓለ  
ም በቅጽበት ይበጽሁ። አመ ሠለ  
ስቱ ደቂቅ በውስተ እሳት ጸርሱ።  
**እግዚአብሔር** ፈነወ ገብርኤልሃ ሐ  
ራሁ። ለመድኃኔ ዓለም ወልድ እን  
ዘ እምድንግል ጽርሱ። ወእንዘ ው  
እቱ ያወፊ ለቤዛ ኃጥአን ሥጋሁ።  
**መንፈስ** ጥበብ ኩነነ ከማሁ።

ሰላም ለመለኮትክ ዘኢይሰማዕ ሰኩ  
ናሁ። ወኢይደምፅ ካዕበ ድምፁ እን  
ሪሁ። **እግዚአብሔር** አንተ ዘደመና  
ክረምት ታርጉ። ወቀስተ ደመና

ኪዳነ አምጣነ ለኖኅ ወሀብካሁ። **መ**  
**ድኃኔ ዓለም** ኮነ ለመድኃኔ ዓለም  
ሥጋሁ። ወለአርድእቱ ወሀበ **መ**  
**ንፈስ** ብርሃን ጸጋሁ። ናሁ ዳግመ  
ሀበነ ከማሁ።

ሰላም ለመለኮትክ ዘእንበለ እግር  
ሐዋሪ። ንበ ውስተ ኩሉ ፍጥረት  
አበሳ ኃጥአን ያስተሰራ። **እግዚአብ**  
**ሔር** አንተ ህየንተ ሰብእና መሐሪ  
። ድኃረ በሲና ከሰትክ ሕገ ተሰብአ  
ሐዳሪ። **መድኃኔ ዓለም** በተከ መ  
ሥገርተ አይሁድ ወማሪ። አድክም ሊ  
ተ አፅራርዮ እለ ይብሉኒ ቴጌሪ። አም

ጣነ **መንፈስ** አንተ ወአንተ ፈጣሪ።

**ሰላም ለመለኮትክ** ዘመከየዲሁ ኢይ  
ሰማዕ። ህየንተ ሰሚዕ ብርሃነ ውስ  
ተ ሕሊና ሰብእ ያበውዕ። **እግዚአ**  
**ብሔር** ፅኑዕ እንተ ሕገ ሲና ታፀን  
ዕ። በትእዛዘ ቃልክ ቆመ በቤተ ሳ  
ይዳ መፃጉዕ። **መድኅኔ ዓለም** ወል  
ድ በጊዜ ቃለክ ያስተጋብዕ። **መንፈ**  
**ስ** ብርሃን ሐረ ቅድመ ሥላሴ በፍ  
ግዕ። ምሥጢረ ጥበብ እትወከፍ  
ዘዚአክ ረድዕ።

**ሰላም ለመለኮትክ** ዘኢይበለብል ቆ

መ።። ወኢይትአንተል ጽመ ላዕለ  
ፍጡራን ኩሎመ።። **እግዚአብሔር**  
ዘዮም **ወእግዚአብሔር** ዘቀዲመ።።  
ለህዝበ ነነዌ በጾም እሳተ ባላህኮ  
መ።። ከማሁ ሕፃን ለደብረ ሒሚስ  
ምህሮመ።። ወተመይጠ ድኅረ **በመ**  
**ንፈሱ** ኀበ ዘህለወት እመ።። ወበ  
ውስተ ብርሃን ሊተ ሰደኒ ፈንመ።።

**ሰላም ለመለኮትክ** ዘሕሊና ጥበብ  
መልክዕ። ወህላዌሁ ብርሃን እስ  
መ ብርሃነ ይክዕ። **እግዚአብሔር**  
ኀቤክ ሠራዊተ ኪሩብ መጽኡ። ነ  
ግህ ነግህ ወሰርክ አምኃ ስብሐት



ያብኡ። ወአመ ጊጉያን አይሁድ እ  
መድኅኔ ዓለም ገብኡ። በህላዌሁ ሀ  
ለወ ገደለ መንፈስ ቅዱስ ገርድኡ።  
ወበሥላሴሁ አሚረ ሰማያት ፀንዑ።

ሰላም ለመለኮትክ በውስተ መቃብ  
ር ኀቡር። እንዘ በግርማሁ ዓቢይ  
ወበአምጣነ ሰብእ ክቡር። በውስተ  
አልባብ ትሄሉ ኩሳሄ እግዚአብሔ  
ር። አምጣነ ምሉዕ አንተ በኀበ ሰ  
ማያት ወምድር። እንዘ ወልድ የኀ  
ድር በውስተ ፀባብ ዝኅር። መንፈ  
ስ ሥላሴ ገንደ ዘበመላእክት ፀምር  
። ባልሃኒ ሊተ እምእኩይ ፀር።

ሰላም ለመለኮትክ ዘአዕይንቲሁ አን  
በስበሰ። እንዘ ይመስሎሙ ሞተ እ  
ስከ ገልበብዎ ልብሰ። ለዘኢያእመ  
ሩ ምንተ ዘከመ ያወፊ ነፍሰ። እግ  
ዚአብሔር ባዕል እስመ ወልድክ ወ  
ረሰ። ሰማየ ወምድረ ብርሃነ ወነፋ  
ሰ። ወመንፈስ ቅዱስ ረሰየ ሠረገላ  
ደመና ብርሃን ፈረሰ። ኀበ ውስተ  
ብርሃን ሰደኒ እነፅር ንጉሠ።

ሰላም ለመለኮትክ እንተ ለሄሮድስ  
ተዐገሦ። እምዮሐንስሃ ቀቲል በሊ  
ዐ መሐላ እምኔሦ። ለማየ ዮርዳኖ  
ስ ዘፈልህ አሳተ መለኮት ለብሶ።

ለነድ **ርግብ** አመ በዮርዳኖስ ኀሠሦ  
 :: **እግዚአብሔር** አርጎወ ገጸ ሰማ  
 ያት መቅደሱ:: ዝንቱ ወልድየ ወስ  
 ምእዎ በጊዜ ይቤ እምፈላሱ:: ለማ  
 የ ዮርዳኖስ በማይዮሐንስ ፈወሱ::

**ሰላም ለመለኮትክ እግዚአብሔር** አ  
 ሐዱ እምጥንቱ:: ወበግብረ ጥበብ  
 ዕፁብ አካላቲክ ሠለስቱ:: ዕሙዳነ  
 መሬት ወማይ ወነፋስ ወእሳት አ  
 ርባዕቱ:: ለባዊት ነባቢት ወሕያዊ  
 ት ሰብዐቱ:: አህጉረ ቤታ ለነፍስ  
 ወበውስቴቶን ተአቱ:: አመ በምጽ  
 አት ይትከሠት ፈጣሪ ምስለ ሐዋ

ርያት ሰማዕቱ:: ይቤለነ ንዑ ኢን  
 ጥፋእ በከንቱ::

**ሰላም ለመለኮትክ እግዚአብሔር** ሴ  
 ቃ:: ዘዓይነ ሕሊና ታበርህ በብርሃ  
 ነ ቃልክ ቤቃ:: እንተ **ሚካኤል** ይ  
 ኄይል ወይሣሃል በዓቃ:: **መድገኔ**  
**ዓለም** ንደረ በክርስ **ማርያም** ወጥ  
 ቃ:: ከመ ላዕለ ዕፅ ይሰቀል ወለሕ  
 ገ ሐዲስ ይንድቃ:: በልብየ ይንድቅ  
 መንፈስክ ወለፈጽሞ ያዕዕቃ:: አምጣ  
 ነ ጥበብ አንተ ወአንተ ማዕነቃ::

**ሰላም ለመለኮትክ እግዚአብሔር**



አሐዱ። ዘፈጠረ ኩሎ ወአበ ብዙኃ  
ን በእዱ። ፈነወ ለነ በኩረ መለኮ  
ት ጎበ ዘመዱ። **መድጎኔ ዓለም ክ**  
**ርስቶስ** እምሥራቀ ፀሐይ ሙራዱ  
። ምስለ መላእክት አእላፍ እለ ኪ  
ያሁ የአውዱ። ፈኑ ሊተ **መንፈስክ**  
ነገረ እኩያን እዕዱ። እስመ ማሕየ  
ዊ ቃልክ ከመዝ ልማዱ።

**ሰላም ለመለኮትክ እግዚአብሔር ብ**  
**ርሃን።** ዘየዐውዱክ ዘልፈ ካህናተ  
ሰማይ ትጉሃን። ኩሉ ይገኒ ወኩ  
ሉ ይትኃነን። ለምልክናክ ግሩም  
እንተ ለዝላፋ ኢይትፈተን። **መድ**

**ጎኔ ዓለም** ወልድ ሠራዲ ቅዱስ  
ቊርባን። ነፃ ነፃ በፀዊር **መንፈስ**  
ጥበብ ወኪን። እስመ መንፈስ ቅዱ  
ስ መፅንዒ ወዝንቱ መድሃን።

**ሰላም ለመለኮትክ እግዚአብሔር**  
**መሐሪ።** ኃይለ ብርሃናት ፀሐየ ወ  
ጽልመተ ሌሊት ታስተባሪ። አንተ  
ገባሪ ወአንተ ፈጣሪ። በኩሉ ዓለ  
ም ከመ ጎጢአተ ታስተሰሪ። **መድ**  
**ጎኔ ዓለም ክርስቶስ** ጥንተ መለኮት  
አብሃሪ። ይምጸእ ሊተ **መንፈስክ**  
እምነ በረድ እፅሪ። ዘከመ አፅረይኮ  
ለሄኖክ ርጉቀ ሐዋሪ።

ሰላም ለመለኮትክ እግዚአብሔር  
 ሕያው። አንተ ትሁብ ወአንተ ት  
 ፃውወ። መኑ ከማክ በውስተ ኩ  
 ሉ ሕልው። መድኅኔ ዓለም ወልድ  
 ለቤዛ ዓለም ድልው። በስብሐት  
 አህሉ ምስለ ኅሩያን አበው። ፈኑ  
 ሊተ መንፈስክ ይጸልላኒ በበድው።  
 እምተዐቅፎ በብርሃን ፅዕድው።

## ውዳሴ ወስእለት

ሰላም ለመለኮትክ ርእሳ ለአእምሮ  
 ወመሠረታ ለጥበብ እግዚአብሔር  
 አብ ሐድስ ጥበበ ልብዩ።

ሰላም ለመለኮትክ ዘአዝንን ማዕበላተ  
 ውኒዛት ወመዋግደ ጽልመተ መናፍስ  
 ት እግዚአብሔር ወልድ ከማሁ አዝ  
 ኅን መዋግደ ጽልመተ ሕሊናዩ።

ሰላም ለመለኮትክ ዘህላዌሁ ኅቡር።  
 እዝ ሠለስቱ በግብር። እግዚአብሔር  
 መምህር። አንተ ውእቱ ተስፋን ወፍሥ  
 ሓነ ዘለዓለም እግዚአብሔር መንፈስ ቅዱ  
 ሰ ኩነኒ ተስፋ ሕይወት ወመድኅኒት።

With Love Brought to You  
 By [www.binyaminhk.wordpress.com](http://www.binyaminhk.wordpress.com)

፳፻፳፫ ጊኔ ደህ የቀርባለሁኝ



ሰላም ለመለኮትክ ሰጣጤ ጽልመት  
ወወሀቤ ብርሃን እግዚአብሔር አብ  
ስጥጥ ግልባቤ ልብዩ።

ሰላም ለመለኮትክ ለዘይጼውዖ በ  
ትሑት ልብ ይሰምዖ ጸሎቶ ወይ  
ሁቦ ፍትወቶ እግዚአብሔር ወልድ  
ስማዕ ጸሎትዩ ወስኦለትዩ።

ሰላም ለመለኮትክ ዘያግዕዘነ እምአ  
ርዑተ ኃጢአት ወያፀድለነ ፅዳሴ እ  
ምጽልመታት ዘተኅዩለነ ዲያብሎስ እ  
ምትካት እግዚአብሔር መንፈስ ቅዱስ  
አግዕዘኒ እምኩሉ ግብረ አጋንንት።

ሰላም ለመለኮትክ ፍሕመ መለኮት  
ብቁጽ ዘእምጥበቡ ኢየሐፅፅ ውኃቱ  
ጥበብነ ውኃቱ ኀይልነ ውኃቱ ምክ  
ርነ ውኃቱ ሕሊናነ ውኃቱ ኖላዊነ  
ውኃቱ ፍኖትነ ውኃቱ ብረሃንነ ው  
ኃቱ ቤዛነ ውኃቱ መድኀኒተ ነፍስነ  
ዘኢይበሊ ለዓለም ህላዌሁ እግዚአ  
ብሔር አብ ሐድስ ብሌተ ልብዩ።

ሰላም ለመለኮትክ ዘጥንተ ህላዌሁ ቃ  
ል ሀለወ በላዕለ ጊሜ ወደመናት ቅድ  
መ ያስተባሪ ብርሃነ እምጽልመታት  
እግዚአብሔር ወልድ አብርሀ ውስተ  
ልብዩ ጥንተ ብርሃናት ወጥበባት።

ለላም ለመለኮትክ ዘአሠነዩ ዕለታተ  
 ወዓመታተ ለግብረ ሐመልማለ ክ  
 ረምት ወሐጋይ ለይብቀሉ አዝር  
 ዕት ወዕፀዋት ወኩሉ ሐመልማላ  
 ት ለግብረ እጓለ እመሕያው እግዚ  
 አብሔር መንፈስ ቅዱስ ከማሁ አ  
 ሕመልምል ቃላተ ጥበብ ውስተ  
 ልብዩ።

ለላም ለመለኮትክ ዘህላዌሁ እሳት  
 ወማይ ወፀዓዳ በረድ ዝ ኩሉ አኮ  
 ለገሢሦት አላ ለሐልዮት ሐሊ ሊ  
 ተ እምኩሉ እኩይ ለገብርክ እገሌ

.....።

## መርገፍ

ኦ ሥሉስ ቅዱስ እግዚአብሔር አ  
 ብ እግዚአብሔር ወልድ እግዚአብ  
 ሔር መንፈስ ቅዱስ ፩ዱ አምላክ  
 እምሰማይ እስከ ምድር ይሴብሐክ  
 መላእክት። እምሥራቅ እስከ ምዕ  
 ራብ ወእምሰሜን እስከ ደቡብ ይ  
 ሴብሐክ ሰብእ። ነፋሳት እምኩሉ  
 መዓዝኒሆሙ ወእሳት እምናጌብ እ  
 ሰክ ኩሉ አእዋዳት። እምሰማይ እ  
 ሰክ ምድር አየረ አየራት እስከ ባሕር  
 ይሴብሐክ ኩሉ ፍጥረት። ወይለግዱ  
 ለክ ወይትቀነዩ ለስምክ። እስፍንትነ  
 ሐለፉ ወአይቴኑ ሀለፈ። እስፍንትነ  
 ይመጽኩ



ወአይቲኑ ይሄልዉ። ዝ ኩሉ ግብ  
 ረ ዚእከ። ወመኑ የአምር ህየንቴከ  
 ዘእንበሌከ። በከመ ጎረይኮሙ ለመ  
 ዋዕለ ጎሩያን ኦ አምላኪያ ከማሆ  
 ሙ ጎሩያነ ይኩኑ መዋዕልየ። ወ  
 ኢታምጽእ ብየ ምንዳቤ ወጎዘነ።  
 እመሰ ኮነ ኢታጐንዲ ምስሌየ። በ  
 እንተ **ማርያም** እምከ ወበእንተ ኩ  
 ሎሙ ቅዱሳኒከ መሐረኒ ወተሣ  
 ሃለኒ ለገብርክ .....እገሌ።

**ኦ ቅዱስ እግዚአብሔር** አምላኪ ወ  
 ቀዳሲ ወመፅንዒ ይፅናዕ ሥምረት  
 ከ በላዕሌየ ኩሎ ጊዜ በከመ አፅናዕ

With Love Brought to you  
 By [www.binyamhik.wordpress.com](http://www.binyamhik.wordpress.com)

ከፍቅር ጋራ ይህ የቀርባልኝ

ከሙ ለሓዋርያቲክ ፅኑዐን በፈንዎ  
 ጳፊቅሊጦስ መፅንዒ እንዘ ሀለዉ  
 በውስተ መናሥግት። ወከሠትከ  
 ሎሙ ምሥጢረ መለኮትከ ከማሆ  
 ሙ ክሥት ሊተ ምሥጢረ ጥበብ  
 ለገብርክ ..... እለ ወለዱኒ  
 በሥጋ ወእለ ሐፀኑኒ በጸጋ ወእለ  
 መሀሩኒ ቃለ ተዋሕዶ ሃይማኖት  
 ገቡረ መሐሮሙ እገሌ .....  
 .....ወእ.....።



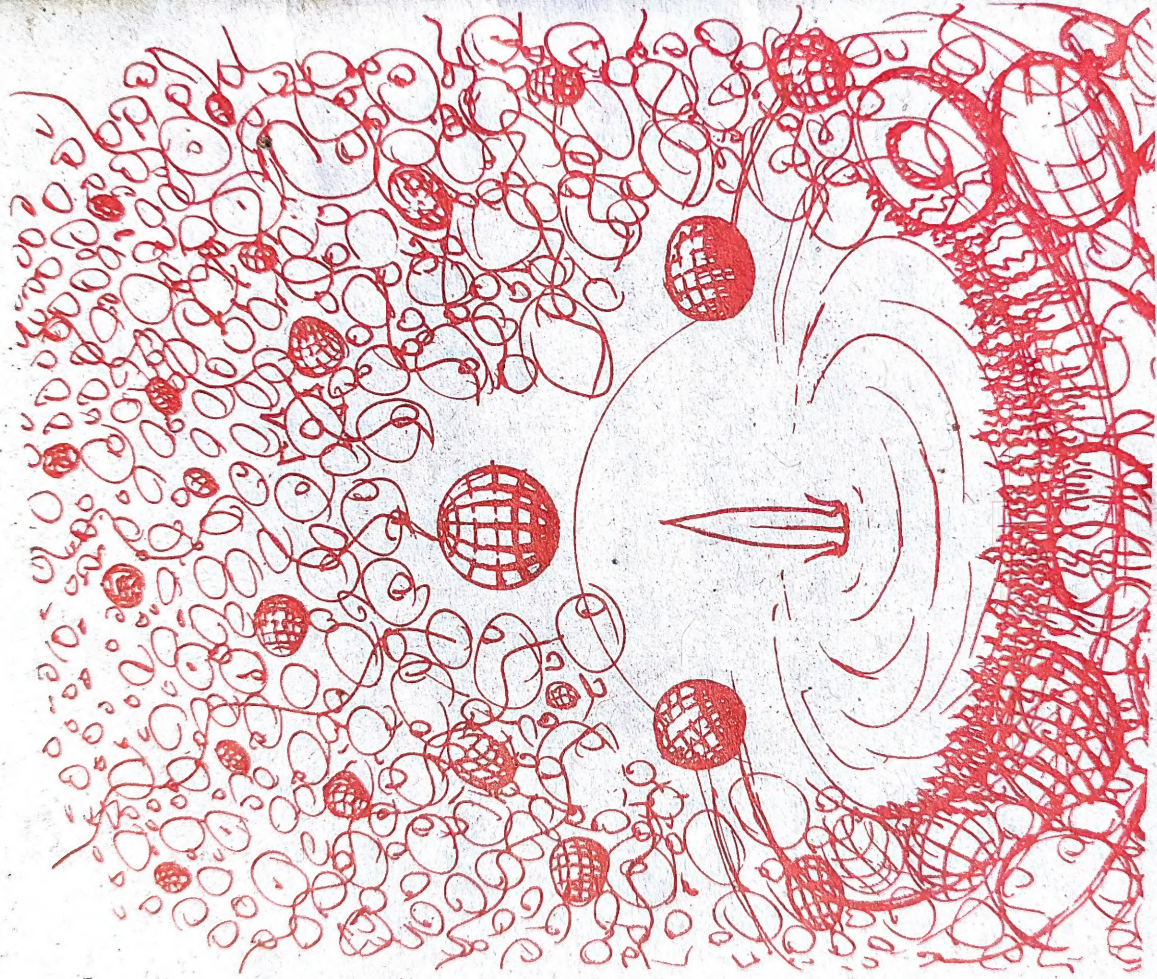


መኑ የአምሮ ሥፍሐ ፍጥረትከ ወመኑ የአምሮ ትልቁሙ ለፍ  
ጡራኒክ ዘአንዘለክ። ባህቱ ገበ ሀሉነ ትሄሉ በከመ ምሕረትክ።  
ወትትወከፍ ስእለተነ ከሉ ጊዜ በመለኮትክ።

የፈጠርከውን ቦታ ሁሉ ስፋቱን ማን ያውቃል። የፍጥሮቶችህንስ  
ብዛት ማን ያውቃል ያላንተ በቀር። ብቻ እንደ ምሕረትህ ብዛት  
ባለንበት ሁሉ ትገኛለህ። ልመናችንም ሁል ጊዜ በአንድነትህ ትቀ  
በላለህ።

With Love Brought to you  
By [www.bisyanhk.wordpress.com](http://www.bisyanhk.wordpress.com)  
በፍጥረት ጊዜ የቀረበለፍ፣





መነ የአምር ሥፍሐ ፍጥረት ወመነ የአምር ተልቆሙ ለፍ  
ጡራኒክ ዘእንላክ:: ባህቱ ገበ ሀሉነ ትሄሉ በከመ ምስረትክ::  
ወትተወከፍ ስእለተነ ከሉ ጊዜ በመለኮትክ::

የፈጠርከውን ቦታ ሁሉ ስፋቱን ማን ያውቃል:: የፍጥረቶችን  
ብዛት ማን ያውቃል ያላንተ በቀር:: ብቻ እንደ ምስረትህ ብዛት  
ባለንበት ሁሉ ትገኛለህ:: ልመናችንም ሁል ጊዜ በእንድነትህ ትቀ  
በለህ::